प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ, दिनांक: 03 जुलाई, 2025

विषय:- जिला कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मवीर पुत्र श्री छोटेलाल रैदास, निवासी जनपद-लखनऊ की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उप महानिरीक्षक(मु0), कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-29945/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-04-08-2022) दिनांक-20-09-2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मवीर पुत्र श्री छोटेलाल रैदास, जो 355/162, हरिजन बस्ती आलमनगर, थाना-तालकटोरा जनपद-लखनऊ का निवासी है। बुरा काम करने में असफल होने पर दिनांक 21-01-2006 को बन्दी ने अपने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर चाकू व बल्ले से मारकर गुडिया नामक महिला की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को एस०टी० नं०-465/2006 में भा0द0वि0 की धारा-302,342,324 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (ई0सी0 एक्ट) लखनऊ, के आदेश दिनांक-07-02-2007 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक-27.10.2021 तक अपरिहार 15 वर्ष, 07 माह, 06 दिन तथा सपरिहार 20 वर्ष, 01 माह, 01 दिन की सजा भोगी गयी है।

3- जिला प्राबेशन अधिकारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट लखनऊ द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने की आख्या अंकित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

4- प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बुरा काम करने में असफल होने पर दिनांक 21-01-2006 को बन्दी ने अपने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर चाकू व बल्ले से मारकर गुडिया नामक महिला की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत सन्देश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने व अशक्त नहीं होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता जिला प्रोबेशन अधिकारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी धर्मवीर पुत्र श्री छोटेलाल रैदास को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

5- अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मवीर (बन्दी संख्या-302/2015) पुत्र श्री छोटेलाल रैदास, निवासी जनपद-लखनऊ को यू०पी० प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की फार्म-ए/लाइसेंस पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या-745/2025/3194(1)/22-2-2022 तद्दिनांक...

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, लखनऊ।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, जिला कारागार, लखनऊ।
3- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-745/2025/3194/22-2-2022-17(1022)/2022

दिनांक: 03 जुलाई, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

जिला कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मवीर पुत्र श्री छोटेलाल रैदास, जो 355/162, हरिजन बस्ती आलमनगर, थाना-तालकटोरा जनपद-लखनऊ का निवासी है। बुरा काम करने में असफल होने पर दिनांक 21-01-2006 को बन्दी ने अपने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर चाकू व बल्ले से मारकर गुडिया नामक महिला की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को एस०टी० नं०-465/2006 में भा0द0वि0 की धारा-302,342,324 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश (ई0सी0 एक्ट) लखनऊ, के आदेश दिनांक-07-02-2007 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक-27.10.2021 तक अपरिहार 15 वर्ष, 07 माह, 06 दिन तथा सपरिहार 20 वर्ष, 01 माह, 01 दिन की सजा भोगी गयी है।

जिला प्राबेशन अधिकारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट लखनऊ द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने की आख्या अंकित करते हुये समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बुरा काम करने में असफल होने पर दिनांक 21-01-2006 को बन्दी ने अपने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर चाकू व बल्ले से मारकर गुडिया नामक महिला की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत सन्देश जायेगा। बन्दी द्वारा भविष्य में अपराध करने का अवसर होने व अशक्त नहीं होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता जिला प्रोबेशन अधिकारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी धर्मवीर पुत्र श्री छोटेलाल रैदास को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बन्दी की फार्म-ए/लाइसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।